inserviant. 2) sicut. DR. 7.15. Interdum redundat, e. c. H. 4.2.52.

वाक्परु (e वाच् et परु) eloquens. HIT. 55.4.

আক্বেয়ুরা f. (a praec. s. না) eloquentia, facundia. Hrr.13.

বাহ্য n. (r. বহু dicere s. য়, v. gr. 628.) sermo. IN.1.10. বামুয় f. rete. Hir. 73.9.

আটিনন (a আঘু sermo s. মিনু) facundus, eloquens. N. 12.50.

বাড়ল 1. P. (কাড্রায়ানু K. কাড্র P.; scribitur কালু, gr. 110^a).) desiderare. (Cf. কাড়লু, আড্রু, অমু, cambro-brit. gwanc desiderium; fortasse hib. miangas winclination, longing, desire, appetite» mutato v in m. Mianuighim «I desire, long, wish, lust, will, intend», tam huc quam ad অনু petere, cupere trahi potest.)

वाङ्गय Adj. (a वाच sermo s. भय) quod ad vocem refertur, ad vocem spectat. Bu. 17.15.

ਕਾਰ f. (r. ਕਰ੍) 1) sermo. Вн. 2. 42. 2) vox. N. 19.1. 23.19. (Lat. voc-s, gr. őπ-s, v. г. ਕਰ.)

वाचस्पति m. (e genit. vocis वाच् et पति) i. q. वृहस्पति वाचस्पत्य n. Abstractum praecedentis. HIT. 97.9.

बाच्य v. वच primit. et Caus.

আच्यता (a praec. s. ता) vituperatio, reprehensio. Hit. 105.4.

আজিন m. (a আজ festinatio, celeritas suff. হন, nisi a r. অজু s. হনু equus. In. 1.7.

বাতকু 1. P. interdum A. optare, desiderare. N.5.37.: म्र-দিন্যু স্থানেদন্দ্ৰ মাবাৰু বাতক্লি নীত্ব-धः; 26.8.: নचेदু वाञ्क्सि त्वन् खूतम्; Hit.37. 18.: यद् यद् एव हि वाञ्केत तता वाञ्का प्रवर्तते (Cf. वाङ्च, वर्ष्ण, germ. vet. wunsc optatio, wunskian optare, anglo-sax. viscan optare, angl. wish.)

c. 現角 i. q. simpl. HIT. 35.20.

वारिकाः

বাতকা f. (r. বাতকু s. সা) desiderium, optatio. HIT. 37.18. বাট m. n. (r. বাটু s. সা) conseptum. R. Schl. I. 44.35. বাটিকা f. (a praec. s. হকা in fem.) id. SAK. 8.7:: সূঘা- ਕਾਨੀ f. (a ਕਾਨ signo fem. र्) id. Am. ਕਾੜ੍ਹ v. ਕਾੜ੍ਹ

বাত (r. বাহু s. ন, cf. ক্রত্ত quod correptum e বাত, v. euphon.r. 102. a.) multus, abundans. বাত্তম Adv. bene, ita, ad assensum exprimendum. N. 17.22.

আ্থা m. (fortasse pro আন a r. অন্ occidere s. म्र) sagitta. Su. 2.16.

वाणित्य vel बा^o n. (a विणिड्स्, ब^o mercator s. य) mercatura. Вн. 18. 44.

वाणिन् (व वाण s. इन्) sagittas habens. A. 5. 25.

বাणी vel बाणी f. (r. বাणু s. ई) loquela, sermo. Hit. 25.

वात् 10. म. (Denom. a व्यात ventus) ventilare. K.: व्यात-यति व्यवनेन पतिम् पतिव्रताः

वात v. r. वा.

वातरंहस् (ВАН. e वात ventus et रहस् celeritas) venti celeritatem habens. In. 1.7.

वातापि m. nom. pr. Asuri. MAH. 3. 8619.

আনায়ন n. (e আন ventus et স্থান via) fenestra. P.16. আন্দেল্য n. (a অন্দেল s. य) amor, caritas. Hit.16.12. 45.13. UR.84.18.

লাব m. (r. লাবু s. স্ন) 1) sermo. BH. 2.11.42. 2) controversia, disputatio. Up. 21. (Cambro-brit. gwed verbum.)
লাবি স n. (a লাব্যু Caus. rad. লাবু q. v. suff. স্ন, inserto
হ্) 1) instrumentum musicum. IN. 2.11. 2) qui instrumentis musicis editur cantus (Instrumental-Musik). IN.

वादिन् (r. वदू s. इन्) dicens. BH. 2.42.

वाध्, बाध् 1. A. vexare, perturbare. A. 4.47.: न बाधते तत्र रतः; R. Schl. I. 14.13.: रावणा नाम राचसः सर्वान् ना बाधते; Dr. 6.3.: महावनं शत्रुभिर बाध्यमानम्; Hit. 57.5.: महित शङ्का माम् बाधते; Man. 9. 226. 10.129. — Caus. P. id. R. Schl. I. 14.15.: स वाध्यति लोकांस् त्रीन् (Cf. वध्, व्यध्; lith. bēda miseria, aerumna, bednas miser; russ. bjeda miseria; fortasse goth. baloja vexo e badoja; gr. ΠΑΘ, ἔπαθον,